देहरी लांघ आत्मविश्वास और सम्मान को बनाया विकास का मंत्र

रामपुर आजीविका महिला क्लस्टर संगठन का वार्षिक सम्मेलन

वित्तीय वर्ष 2016-17 की योजना

- 60 नये समूह का गठन करना
- 180 समूहों का ऑडिट करना
- पुस्तक संचालन का प्रशिक्षण
- नये-पुराने समूह को मिलेगा स्थायी प्रशिक्षण
- सुरक्षा ऋण आजीविका योजना के तहत 80 समूह को एमसीपी तैयार करना
- ग्राम संगठनों का प्रशिक्षण
- 10 गांवों का 80 वृद्ध समूह बनाना

इन मसलों पर हुई चर्चा

- वित्तीय वर्ष 2015-16 में कार्यों का लेखा-जोखा
- कार्य प्रगति व कार्य योजना
- क्लस्टर स्तर पर उपसमितियों के कार्य
- क्लस्टर के निजी फंड का सदुपयोग
- ग्राम संगठन की ग्रेडिंग व वित्तीय वर्ष 2016-17 की कार्य योजना की प्रस्तुति

उत्कृष्ट कार्य करनेवाले समूहों को मिला पुरस्कार

चेने आजीविका महिला ग्राम संगठन को पुरस्कृत करते स्थानीय जिप सदस्य व श्रीमंत पात्रा.

ग्राम संगठन और महिला समूहों को अपने-अपने क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए पुरस्कृत भी किया गया. 24 ग्राम संगठनों में चेने आजीविका महिला ग्राम संगठन को पहला ग्रेडिंग देते हुए पुरस्कृत किया गया. वहीं 377 एसएचजी में से कमल महिला स्वयं सहायता समूह चेने को बेहतर महिला समूह के तौर पर पुरस्कृत किया गया.

पंचायतनामा डेस्क

महिलाओं में आत्मविश्वास, बुजुर्गों को सम्मान और गांवों के विकास का मूलमंत्र लेकर गांव की महिलाएं और बुजुर्ग घरों से बाहर निकलकर लोगों को जागरूक करने को कृतसंकल्पित हैं. इसी उद्देश्य को पूरा करने और आगे की रणनीति बनाने के लिए महिलाओं और बुजुर्गों का जुटान हुआ. जुटान राजधानी रांची के नामकुम प्रखंड स्थित रामपुर के बड़गांवा पंचायत भवन परिसर में हुआ. रामपुर आजीविका महिला क्लस्टर संगठन के एक साल पूरे होने के उपलक्ष्य में वार्षिक साधारण सभा के आयोजन में इनलोगों ने शिरकत की. इस संगठन को मॉडल क्लस्टर के तौर पर विशेष पहचान भी मिली है. इस सभा में नौ ग्राम पंचायत के 24 ग्राम संगठन की स्वयं सहायता समूह की महिलाएं एवं पुरुषों ने शिरकत की. इस साधारण सभा में जहां महिलाओं ने अपनी उपस्थिति का एहसास कराया, वहीं घर से बाहर कदम रखने में आने वाली परेशानियों का भी बखूबी जिक्र किया.

20 गांवों की 377 एसएचजी महिला व पुरुष सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं. इस क्लस्टर के तहत सभी ग्राम संगठन और एसएचजी महिलाओं के बीच करीब एक करोड़ 45 लाख रुपये से कार्यों का लेनदेन होता है. इस संगठन के तहत कई कैडर भी विकसित हुए हैं जैसे- सीआरपी, पीआरपी, पशु सखी, आजीविका कृषक मित्र, एमसीपी, बैंक सखी आदि. क्लस्टर के एसएचजी महिला और पुरुष चार चीजों पर विशेष ध्यान रखते हैं. इस संगठन से जुड़ी एसएचजी महिलाओं ने योजना बनाओ अभियान, जन-धन बीमा योजना, शौचालय निर्माण और वृद्धा पेंशन योजना में भी सक्रिय भूमिका निभायी है. रामपुर आजीविका महिला क्लस्टर संगठन की अध्यक्ष हर्षित लकड़ा कहती हैं कि हर महीने सीएलएफ की बैठक होती है जिसमें समूह और ग्राम संगठनों के कार्यों की ग्रेडिंग होती है. हर्षित कहती हैं कि इस क्लस्टर के तहत 24 ग्राम संगठन हैं. इस 24 में से 18 ग्राम संगठन को ए ग्रेड, दो ग्राम संगठन को बी और चार अन्य ग्राम संगठनों का नया होने के कारण ग्रेडिंग नहीं हो पाया है.

समूह की महिलाओं की जुबानी, सुनिए उनकी कहानी

कुछ कर गुजरने की चाहत ने आज इस मुकाम पर पहुंचाया : सुखमती

पार्वती महिला समूह की पुस्तक संचालिका है सुखमती देवी. सुखमती देवी हरातु गांव की निवासी है. रामपुर क्लस्टर संगठन में कृषक मित्र के तौर पर भी कार्यरत है. अनुभव बताते हुए कहती हैं कि पहले खुद भी घर से बाहर निकलने में हिचकिचाती थी लेकिन कुछ कर गुजरने की चाहत की इच्छा रखते हुए घर से बाहर कदम बढ़ाया. समूह से जुड़ने के बाद अन्य महिलाओं को इसमें जोड़ने के लिए काफी मेहनत करनी पड़ी. लिस्ट बनाकर घर-घर गयी और महिलाओं को समूह से जुड़ने के लिए प्रेरित किया.

तकनीक आधारित खेती से किसानों को मिलेगा लाभ : अनिता

मां दुर्गा महिला समूह सिल्वे की एसएचजी सदस्य अनिता देवी कृषक मित्र है. अपना अनुभव बताते हुए कहती है कि गांव में फसल की पैदावार अच्छी हो इसके लिए किसानों को श्रीविधि से धान लगाने, उसकी प्रक्रिया, कीटनाशकों का छिड़काव और कटाई के बारे में विस्तार से बताती है. कहती है, पहले गांव के किसान हमारी बातों पर विशेष ध्यान नहीं देते थे लेकिन बार-बार समझाने के बाद अब वही तकनीक अपना रहे हैं जो कृषक मित्र बताती है. तकनीक आधारित खेती करने से किसानों को लाभ भी हुआ है.

क्षेत्र में पर्यवेक्षक की भूमिका निभाती देतीं पूनम देवी

पर्यवेक्षक की भूमिका निभाने वाली पूनम देवी ग्राम संगठन के संचालन, कार्य व योजनाओं के बारे में एसएचजी महिलाओं को जानकारी देती है. क्लस्टर के तहत ग्राम संगठनों के ग्रेडिंग पर भी पूनम की अहम भूमिका होती है. ग्राम संगठन में आनेवाली परेशानी व कमियों को भी दूर करने का प्रयास करती है. इसके अलावा समूह से जुड़ने से होने वाले फायदे और सामाजिक कार्यक्रमों की जानकारी भी देती है. क्लस्टर में एसएचजी महिलाओं के लेन-देन संबंधी आंकड़ों पर भी विशेष ध्यान देती है पूनम देवी.

बैंक पहुंचा आपके गांव : सिलवंती लकड़ा

सूरज महिला समूह से जुड़ी रामपुर गांव निवासी सिलवंती लकड़ा वैसे तो अपने समूह में पुस्तक संचालिका हैं लेकिन पिछले तीन महीने से बिजनेस कॉरस्पांडेंस के तौर पर भी काम कर रही है. सिलवंती को रामपुर पंचायत के पांच गांवों में काम करने का जिम्मा मिला है. इन गांवों के ग्रामीणों का बैंक अकाउंट खोलना, रुपये की निकासी और जमा कराना और पेंशन के संबंध में जानकारी देना मुख्य है. सुशीला हाथ में एक मशीन लेकर ग्रामीणों से बैंक अकाउंट खोलने की अपील करती है ताकि लोग जागरूक हो और खुद में बचत करने की आदत डाले. सुशीला कहती हैं कि तीन महीने में करीब दौ सौ लोगों का बैंक अकाउंट खुल गया है. साथ ही बैंक अकाउंट से करीब 50 हजार रुपये का लेन-देन भी हो चुका है.

डायन व बाल विवाह पर रोक के लिए प्रयासरत : सुशीला

प्लांडू ग्राम संगठन की सदस्य सुशीला कच्छप कहती हैं कि गांव में डायन प्रथा के नाम पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज था. एक- दूसरे के साथ मारपीट, थानों में मामला दर्ज आम बात हो गयी थी. एक बीमार बच्ची को डायन करने की बात कहकर गांवों में दुष्प्रचार किया गया लेकिन समूह को इसकी जानकारी मिलने पर बीमार बच्ची के घर जाकर उनके परिजनों को समझाने की कोशिश की और बच्चे का इलाज अस्पताल में कराया. साथ ही बाल विवाह के रोकथाम में भी एसएचजी महिलाएं बढ़-चढ़कर कार्य करती है ताकि गांव से इस कुप्रथा को जड़ से उखाड़ फेंका जा सके. इसके अलावा तारकोल निर्माण का प्लांट गांव में लगा था, लेकिन इससे निकलने वाले धुएं से ग्रामीण बीमार पड़ने लगे, इसे देख एसएचजी महिलाओं ने प्लांट के अधिकारियों से धुएं निकालने के लिए ऊंची चिमनी करने की सलाह दी. प्लांट के अधिकारियों ने उनकी सलाह मानते हुए चिमनी को ऊंचा किया.